Seat No. : _____

AD-145(H)

April-2019

B.A., Sem.-II

EC-I (112) : Psychology

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

निर्देश : **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. (A) जीवनवृत्तिक आयोजन की अवस्थाओं की सविस्तार चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

जीवनवृत्तिक आयोजन के घटक के रूप में व्यक्तिगत विशेषताओं की चर्चा कीजिए ।

(B) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (कोई **चार**) **4**

(1) जीवनवृत्ति का चयन एक अवसर और एक _____ है । (समस्या, रहस्य)

(2) व्यवसाय के संबंध में _____ विचारधारा का पतन हो रहा है । (प्युरिटन, अमेरिकन)

(3) आज व्यावसायिक _____ के मापदण्डों में बदलाव देखने में आता है । (मनोभार, सफलता)

(4) व्यवसाय चयन करते समय व्यक्ति यह जानना चाहता है कि उसे दीर्घकाल में वह कार्य _____ लगेगा या नहीं । (उपयोगी, अर्थपूर्ण)

(5) बड़े बच्चों की अपेक्षा छोटे बच्चों की माताओं में नौकरी करने की संभावना_____ है । (अधिक, कम)

(6) शारीरिक अक्षमता वाले लोगों को_____ तथा व्यावसायिक तालीम दिया जाना जरूरी है । (सार्वजनिक, शैक्षणिक)

2. (A) असरकार शिक्षण के घटक रूप में सीखने की पद्धतियों की चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

सर्जनात्मक विचारण क्या है ? सृजन के साथ जुड़े हुए विशिष्ट व्यक्तित्व लक्षणों का वर्णन कीजिए ।

(B) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (कोई **चार**) **4**

(1) सीखने वाले व्यक्ति की प्रेरणा पर प्रतिपुष्टि की कमी का _____ असर पड़ता है । (सकारात्मक, नकारात्मक)

(2) निरुत्साह की भावना सीखने वाले व्यक्ति के _____ की एक पहचान है । (अर्थघटन, कुसमायोजन)

(3) वैयक्तिक _____ के कारण सीखने वाला व्यक्ति नयी जानकारी को वस्तुनिष्ट रूप में देख पाता है । (मंतव्यों, परिपक्वता)

(4) _____ शिक्षण सामग्री अर्थयुक्त भी हो सकती है और अर्थहीन भी । (वांछित, शाब्दिक)

(5) शिक्षण कार्य से जुड़े हुए सामाजिक दबाव उस कार्य के _____ का एक भाग है । (वातावरण, संरचना)

(6) _____ सृजनात्मक विचारणा की अंतिम अवस्था है । (अन्तर्दृष्टि, छानबीन)

3. (A) आवेगों को समझकर उनके साथ कार्य साधना का महत्त्व स्पष्ट कीजिए । **14**

अथवा

आवेगात्मक दुर्बलताओं के साथ कार्य साधन की रीतियों को समझाइए ।

(B) निम्न कथन सही हैं या गलत लिखिए : (कोई **तीन**) **3**

(1) वयस्क व्यक्ति की अपेक्षा बालक के आवेगों की अभिव्यक्ति में स्वयं स्फुरण अधिक होता है ।

(2) जिन आवेगों की अभिव्यक्ति को सामाजिक मान्यता नहीं मिलती उन आवेगों का दमन हो सकता है ।

(3) आवेगों की अभिव्यक्ति हमेशा प्रत्यक्ष ही होती है ।

(4) हास्यवृत्ति का सिंचन रचनात्मक आवेगों के विकास की एक रीति है ।

(5) विषादग्रस्तता को कम करने में शामक औषधियों का उपयोग होता है ।

4. (A) अच्छे अन्तर्वैयक्तिक संबंधों के आधार रूप में परस्पर हेतुओं, हकों तथा जवाबदारियों के स्वीकार की चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

सामाजिक क्षमता में सुधार के संदर्भ में दूसरों की आवश्यकताओं की संतुष्टि में मदद को समझाइए ।

(B) निम्न कथन सही है या गलत लिखिए : (कोई **तीन**) **3**

(1) प्रत्येक व्यक्ति अन्तर्वैयक्तिक संबंधो का एक विशिष्ट ढंग लिए रहता है ।

(2) परानुभूति की वजह से व्यक्ति दूसरों को समझ नहीं पाता है ।

(3) स्वयं की मूल्यनिष्ठा का आग्रह सामाजिक क्षमता घटाता है ।

(4) परिपक्व व्यस्क वय का व्यक्ति यह अपेक्षा करता है कि सब उससे स्नेह तथा कद्र करें ।

(5) अन्य की नाराजगी तथा वैर-भाव के भय से हम उसे स्पष्ट इनकार नहीं कर सकते हैं ।